Report on International Day of Forests 2025

The Forest Research Institute (FRI), Dehradun, celebrated the International Day of Forests on 21.03.2025 with great enthusiasm and participation from esteemed dignitaries, Group Coordinator Research, Dean & Registrar FRIDU, Registrar FRI, Heads of various divisions of FRI, scientists, officers, researchers, faculty members, staff and students. The theme for this year, *'Forests and Food,'* highlighted the indispensable role of forests in food security, nutrition, and sustainable livelihoods. The event emphasized the significance of forests as biodiversity hotspots and essential sources of sustenance for communities worldwide.

The celebration commenced with a warm welcome to all attendees. Smt. Richa Misra, Head of Extension Division, FRI, presented a bouquet to the esteemed Chief Guest, Dr. Anil Prakash Joshi, in recognition of his valuable presence. She then delivered the formal Welcome Address, setting the tone for the event and underlining the importance of the occasion.

Dr. Renu Singh, Director of FRI, delivered the Opening Remarks, highlighting the pivotal role of FRI in forest conservation and sustainable management. She also emphasized the theme of International Forests Day 2025, stressing the urgent need to recognize forests as key contributors to global food systems, climate resilience, and ecological balance.

The highlight of the event was the special Guest Lecture by Padma Bhushan Dr. Anil Prakash Joshi, a distinguished environmentalist and the Founder of the Himalayan Environmental Studies and Conservation Organization (HESCO). Dr. Joshi's insightful talk on *'Forests and Food'* was inspiring, reinforcing the crucial role of forests in ensuring food security and sustainability. He also stressed the importance of sustainable land use practices, forest conservation, water resource management, and climate change adaptation.

Following the guest lecture, Dr. Renu Singh, Director, FRI, honored Dr. Joshi with a shawl as a token of appreciation for his invaluable contributions to environmental conservation and sustainable development. The event concluded with a Vote of Thanks by Sh. Lokinder Sharma, Scientist-C, Extension Division, expressing gratitude to all contributors. This event proved to be extremely effective in raising awareness towards forest conservation and sustainable livelihood and in making the society understand the interrelationship between forest and food security.

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 2025 पर रिपोर्ट

वन अनुसंधान संस्थान (FRI), देहरादून ने 21 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस को अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित अतिथियों , समूह समन्वयक अनुसंधान, डीन और रजिस्ट्रार (FRIDU), रजिस्ट्रार (FRI), विभिन्न विभागों के प्रमुख, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया। इस वर्ष का विषय **'वन और भोजन'** था, जिसने खाद्य सुरक्षा, पोषण और सतत आजीविका में वनों की अपरिहार्य भूमिका को उजागर किया। इस अवसर पर वनों को जैव विविधता के केंद्र और समुदायों के लिए जीवन-निर्वाह के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सभी उपस्थित लोगों के गर्मजोशी भरे स्वागत से हुआ। वन अनुसंधान संस्थान, के विस्तार प्रभाग की प्रमुख , श्रीमती ऋचा मिश्रा ने मुख्य अतिथि **डॉ. अनिल प्रकाश जोशी** को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया और फिर औपचारिक स्वागत भाषण दिया। उन्होंने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला और इसकी पृष्ठभूमि प्रस्तुत की।

वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक , **डॉ. रेनू सिंह** , ने उद्घाटन भाषण दिया , जिसमें उन्होंने वन संरक्षण और सतत प्रबंधन में FRI की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 2025 की थीम पर बल देते हुए कहा कि वनों को वैश्विक खाद्य प्रणाली , जलवायु अनुकूलन और पारिस्थितिक संतुलन के महत्वपूर्ण घटक के रूप में मान्यता देने की तत्काल आवश्यकता है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध पर्यावरणविद् और **हिमालयी पर्यावरण अध्ययन एवं संरक्षण संगठन (HESCO)** के संस्थापक, पद्म भूषण **डॉ. अनिल प्रकाश जोशी** का विशेष व्याख्यान था। उनके प्रेरणादायक व्याख्यान का विषय **'वन और भोजन'** था, जिसमें उन्होंने खाद्य सुरक्षा और सतत विकास में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने सतत भूमि उपयोग प्रथाओं , वन संरक्षण, जल संसाधन प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के महत्व पर भी बल दिया।

मुख्य व्याख्यान के उपरांत , **डॉ. रेनू सिंह ,** निदेशक वन अनुसंधान संस्थान ने डॉ. जोशी को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानस्वरूप शॉल प्रदान किया। इस कार्यक्रम का समापन **श्री लोकिन्दर शर्मा**, वैज्ञानिक-सी, विस्तार प्रभाग, द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी योगदानकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन वन संरक्षण और सतत आजीविका के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा समाज को वन एवं खाद्य सुरक्षा के परस्पर संबंध को समझाने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुआ।

Glimpses